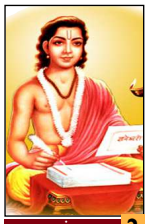

पृष्ठ संख्या 2

डाक पंजीयन संख्या- RJ/JPM/160/2024-26

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

CBC CODE-134222

सम्पादकः राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्षः 05 | अंकः 11 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, सोमवार 7 सितम्बर, 2026 | मूल्यः 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

नारायण सेवा न्यूरोथेरेपी केंद्र में तीन दिवसीय निःशुल्क ट्रेनिंग और उपचार कैम्प का हुआ समापन

➥डॉ. लाजपतराय मेहरा के 94वें जन्मदिन पर हुआ कार्यक्रम ➥सैकड़ों लोगों का किया बिना दवाई और बिना मशीन के ईलाज ➥न्यूरोथेरेपिस्ट कल्याण सिंह गुर्जर की अनूठी पहल

जयपुर (संस्कार सृजन)

जयपुर जिले के चौमूँ तहसील ग्राम हाथनौदा स्थित नारायण सेवा न्यूरोथेरेपी केन्द्र द्वारा न्यूरोथेरेपी के जनक डॉ. लाजपतराय मेहरा के 94वें जन्मदिन के अवसर पर तीन दिवसीय निःशुल्क न्यूरोथेरेपी ट्रेनिंग और उपचार कैम्प आयोजन सफलतापूर्वक किया गया ।इससे पहले 21-22 अगस्त को निःशुल्क न्यूरोथेरेपी ट्रेनिंग कैंप का आयोजन हुआ और आज यूरोथेरेपी-डे पर निःशुल्क उपचार शिविर का आयोजन हुआ जिसमें बिना दवाई और बिना मशीन के विभिन्न बिमारियों का ईलाज देश के विभिन्न राज्यों से पधारे सीनियर न्यूरोथेरेपिस्ट द्वारा किया गया । सैकड़ों लोगों ने इस शिविर का लाभ उठाया ।

शिविर में कर्नल चंद्रशेखर नायर, कैप्टन पृथ्वी सिंह नाथावत, मदनलाल, घासीराम, निर्मल, सीताराम सैनी खंडेला, बंसी ओला, जगदीश मुनीम अतिथि के रूप में मौजूद रहे। सभी अतिथियों और न्यूरोथेरेपिस्ट का संचालक कल्याण सिंह गुर्जर द्वारा माला और फोटो फ्रेम भेंट कर स्वागत सम्मान किया गया । कैप्टन पृथ्वी सिंह नाथावत ने कहा कि न्यूरोथेरेपी आज की नहीं सदियों पुरानी चिकित्सा पद्धति है । इसमें बिना दवाई और बिना मशीन के पॉइंट्स दबाकर बीमारी को ठीक किया जाता है । हम सभी को इसका लाभ लेना चाहिए । कैम्प में विशेषज्ञ न्यूरोथेरेपिस्ट लेखा नायर, मनोज बागोरिया, संजय कुमार लखनऊ, कल्पना धीमान दिल्ली, नरेंद्र जांगिड़ दिल्ली, बृजभूषण, विनोद बेनीवाल, मदनलाल प्रजापति, हनुमान गुर्जर, वैद्य रतन चंद शिमला, सृष्टि गुप्ता, दिलीप कुमार सैनी नवलगढ़, प्रमोद कुमार झुंझुनू , प्रदीप डागर, सुनील भाकर, अंजू कुमारी झुंझुनू, अंकिता कुमारी, लक्ष्मी कुमारी हिसार, हंसराज जांगिड़ अजमेर, विद्या शर्मा, अभिषेक कुमावत, श्रवण यादव, जितेंद्र सैनी, गजेंद्र योगी, राहुल गुर्जर, खुशबू योगी, रेखा योगी आदि ने अपनी सेवाएँ दी।

शॉर्ट फिल्म 'गलती किसकी' की शूटिंग हुई प्रारंभ

जयपुर (संस्कार सृजन) कला, सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था संस्कार सृजन संस्था के बैनर तले निर्मित होने वाली शॉर्ट फिल्म 'गलती किसकी' की शूटिंग पूर्ण -विधि विधान के साथ पूजा - अर्चना के साथ शुरू हुई । फिल्म की शूटिंग जयपुर की विभिन्न लोकेशंस पर की जा रही है । फिल्म के डायरेक्टर राम गोपाल सैनी ने बताया कि आजकल के माता-पिता अपने बच्चों को बहुत आगे बढ़ते हुए देखना चाहते हैं।बच्चे भी माता-पिता के सपनों को पूरा करने के लिए एड़ी से चोटी का जोर लगाते हैं । लेकिन जब माता-पिता का बुढ़ापा आता है तो अकेलापन उनको खाता है, वहीं विदेश में बैठे बच्चे भी माता-पिता की सेवा की बात सोचकर परेशान हो रहे होते हैं और सोचते हैं कि आखिर गलती किसकी । यही कहानी इस फिल्म में दिखाई गई है । इस शॉर्ट फिल्म में राजस्थानी फिल्मों के महानायक उग्रसेन तंवर, जया पांडे, अभिनव शर्मा और अभिमन्यु शर्मा मुख्य भूमिका निभा रहे हैं । एडिटिंग रजनीश सैनी की रहेगी । जयांजलि प्रोडक्शन का शूटिंग में विशेष सहयोग रहा ।

जानकारी के लिए आपको बता दें कि इससे पहले भी संस्कार सृजन संस्था द्वारा निर्मित अनमोल जीवन, अपमान, सच्ची आज़ादी और राखी जैसी शॉर्ट फिल्म इंडिया यूट्यूब चैनल पर रिलीज हो चुकी हैं, जिसे दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है । चैनल आगे भी सामाजिक सन्देश देने वाली शॉर्ट फिल्मों का निर्माण कर नए कलाकारों को मौका देता रहेगा।

चौमूं में आयुर्वेदाचार्यों का द्वितीय प्रतिभा सम्मान समारोह एवं चिकित्सा शिविर आयोजित

जयपुर (संस्कार सृजन)

सर्व सिद्ध आयुर्वेदा एवं आयुर्वेद चिकित्सा संभाषा परिषद के तत्वावधान में रविवार को पारीक कॉलेज, चौमूं में द्वितीय आयुर्वेदाचार्य सम्मान समारोह और चिकित्सा शिविर का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 150 आयुर्वेदाचार्यों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में महामंडलेश्वर आचार्य नबंदा शंकरपुरी महाराज विशेष रूप से उपस्थित हुए और आयुर्वेदाचार्यों एवं आयोजकों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान धन्वंतरि की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ किया गया ।

कार्यक्रम संयोजक वैद्य सत्य प्रकाश पारीक ने बताया कि सम्मान समारोह के साथ ही विशाल मेगा आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन भी किया गया, जिसमें लगभग 150 मरीजों का उपचार एवं रोग निदान किया गया। शिविर में आयुर्वेद चिकित्सा के साथ योग थेरेपी, पंचकर्म थेरेपी एवं जलौका चिकित्सा के माध्यम से रोगियों को उपचार सेवाएं प्रदान की गईं। फार्मेसी के सहयोग से मरीजों को आवश्यक आयुर्वेदिक औषधियों का निःशुल्क वितरण भी किया गया।शिविर में लगभग 100 बच्चों का निःशुल्क स्वर्ण प्राशन संस्कार भी कराया गया, जिसे लेकर अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

समारोह में आयुर्वेद के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले चिकित्सकों एवं प्रतिभाओं को आयुर्वेद रत्न सम्मान, धन्वंतरि सम्मान, वाग्भट सम्मान एवं महर्षि पतंजलि सम्मान सहित विभिन्न सम्मान प्रदान किए गए। इस अवसर पर आयुर्वेद के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में एस्कॉर्ट्स लैब जयपुर, निरामय हॉस्पिटल चौमूं, वेधशाला आयुर्वेद औषधालय चौमूं सहित अनेक आयुर्वेदिक फार्मेसी एवं संस्थानों ने सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित आयुर्वेदाचार्यों ने कार्यक्रम संयोजक वैद्य सत्य प्रकाश पारीक का मंच पर गर्मजोशी के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया। आयुर्वेदाचार्यों ने कहा कि पारीक ऐसे भागीरथ की भूमिका निभा रहे हैं, जो आयुर्वेद रूपी गंगा को निरंतर प्रवाहित करते हुए उसे जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आयुर्वेदाचार्यों को एक मंच पर लाने तथा आयुर्वेद चिकित्सा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए ऐसे आयोजनों की विशेष आवश्यकता है। कार्यक्रम का मंच संचालन वैद्य पवन कुमार तिवाड़ी एवं भारत भूषण लाटा ने किया।

सेवा भारती द्वारा सुपोषित भारत अभियान का शुभारंभ

जयपुर (संस्कार सृजन) केशव नगर स्थित बालिका आदर्श विद्या मंदिर में सेवा भारती समिति द्वारा सुपोषित भारत अभियान के अंतर्गत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिला मंत्री धर्मेन्द्र शर्मा पुरुषोत्तम ने बताया कि बालक बालिकाओं को स्वस्थ जीवन हेतु संतुलित आहार के अंतर्गत पर्याप्त कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन्स एवं मिनरल्स का उपयोग करना चाहिए। फास्ट फूड, जंक फूड एवं पैकिंग फूड को त्याग कर अपनी रसोई में मोटे अनाजों से बने हुए भोजन का उपयोग सुपोषण का आधार है। प्रकृति द्वारा प्रदत्त मौसमी फल, दूध एवं हरी सब्जियां कुपोषण को दूर भगाती है।इसलिए इनका अधिक से अधिक उपयोग हमारी थाली में होना चाहिए।

जिला उपाध्यक्ष बनवारी लाल गरेड ने शैशव अवस्था, किशोरावस्था एवं युवावस्था में कुपोषण के लक्षणों का वर्णन करते हुए नियमित दिनचर्या एवं नियमित जीवन शैली से स्वस्थ रहने के बारे में अवगत करवाया।

निशा शर्मा ने किशोरियों एवं युवतियों में खून की कमी एवं कुपोषण से बचने के लिए संतुलित भोजन के साथ योग व्यायाम की जानकारी दी। सुपोषित भारत अभियान संबंधित एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। शिव शंकर शर्मा ने आभार प्रकट किया।

संपादकीय

तकनीकी हमलों से क्रूद्ध हिमालय

औद्योगिक क्रांति के बाद जिस तकनीकी दंभ का प्रादुर्भाव हुआ है, उसके आलोक में वैज्ञानिकता के नाम पर प्रकृति से आधुनिक मानव युद्धरत है। ऊर्जा की अत्यधिक भूख ने ऊर्जा उत्पादन के ऐसे तरीकों पर निर्भरता बढ़ा दी है, जो वैश्विक तापमान में वृद्धि करके जलवायु परिवर्तन का कारण बन रहे हैं। पिछली डेढ़ सदी में वैश्विक स्तर पर तापमान डेढ़ डिग्री तक बढ़ चुका है। अभी भी हम लगभग उसी रास्ते पर दौड़ रहे हैं। हिमालय का क्रोध केवल भारतवर्ष के कारण नहीं है, यह तो सारी दुनिया, विशेषकर विकसित देशों का किया धरा है, किन्तु बाकी सभी देश भी तो उन्हीं विकसित देशों की विकास पद्धति का ही अनुकरण कर रहे हैं और जलवायु परिवर्तन में योगदान करके प्रकृति के संतुलन को नष्ट करने में लगे हुए हैं। प्रकृति बार बार चेतावनी देती है, किन्तु हम समझने वाले नहीं हैं, क्योंकि हम इस गलतफहमी हैं कि हम कुछ भी करके सुरक्षित निकल लेंगे। न तो हम पश्चिम के बर्फीले तूफानों से समझ रहे हैं, न ही रेगिस्तानी बर्फबारी से समझ रहे हैं। ध्रुवीय प्रदेशों से लेकर हिमालय तक ग्लेशियरों के पिघलने से हो रही तबाही से, मासूम जिंदगियों का काल कलवित हो जाना हमारे हृदय में न तो दया का भाव पैदा कर पा रहा है, न ही अपने लालच के चलते प्रकृति को पहुंचाए जा रहे नुकसान के बारे में पुनर्विचार करने की ओर मुड़ रहा है। गेंद एक दूसरे के पाले में धकेला जा रहा है। जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने वाले संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रयासों से अमरीका जैसे भारी प्रदूषणकारी देश बाहर निकल चुके हैं। चीन और भारत हिमालय में बड़े से बड़े बांधों के निर्माण में डटे हुए हैं, जिससे होने वाली तोडफ़ोड़ और मीथेन उत्सर्जन से हिमालय में वैश्विक तापमान में वृद्धि की औसत से, ज्यादा वृद्धि हुई है। नतीजा हम ही भुगत रहे हैं। कभी पारछु की बाढ़ में सतलुज पणढल में तो कभी थुनाह्ग जंजैहली में। कभी धराली में तो कभी केदारनाथ में। हम जानते तो सब कुछ हैं, पर समझेंगे नहीं क्योंकि हम वैज्ञानिक युग के अहंकारपूर्ण शक्तिशाली देश हैं। प्रकृति की ताकत के आगे बार-बार शर्मिंदा होने के बाद भी हम प्राकृतिक आपदा कह कर मामले को टाल देते हैं, जबकि हमें इन्हें मानव निर्मित प्राकृतिक आपदा कहना चाहिए ताकि हमें अपने गैरजिम्मेदार कारनामों की याद आती रहे जिससे शायद जागने में मदद मिले। वर्तमान नेपाल त्रासदी ने जिस तरह हजारों बेशकीमती जाने काल-कलवित की हैं वह वैश्विक चेतना को झकझोरने वाली घटना है। भारत की स्थिति भी इस विषय में अच्छी नहीं है। हिमाचल से लेकर अरुणाचल तक कई जोखिमपूर्ण ग्लेशियर झीलें विद्यमान हैं। हिमाचल में लाहुल घाटी की घेपांग घाट ग्लेशियर झील सहित 48 ऐसी झीलें हैं। उत्तराखंड में 13, लद्दाख में 35, सिक्किम में 40, अरुणाचल में 28 उच्च जोखिम वाली ग्लेशियर झीलें मौजूद हैं। सिक्किम भी 2023 में दक्षिणी ल्होनाक ग्लेशियर झील के फटने से भारी त्रासदी झेल चुका है। वर्तमान विकास गतिविधियां हिमालय में जान-माल के लिए खतरा बढ़ा रही हैं। जब जिन्दा ही नहीं रहेंगे तो उस विकास का क्या करेंगे? एक ओर बड़े बड़े देश युद्धों में उलझे हुए हैं। युद्ध भी जितना वायु प्रदूषण फैला रहे हैं वह भी जलवायु परिवर्तन का बड़ा कारण बन रहे हैं। आतंकवाद और युद्ध दोनों से ही बचने की जरूरत है। बातचीत से समस्याएं हल हो सकती हैं। युद्ध के बाद भी तो बातचीत ही करनी पड़ती है। सांप्रदायिक घृणा जनित आतंकवाद से भी तौबा की जानी चाहिए। कोई संप्रदाय मृत्यु उपरांत नरक में जाता है या स्वर्ग में, इस बात की चिंता किसी को करने की क्या जरूरत है। जो जाएगा वह खुद देख लेगा। फिजूल की आत्मप्रशंसा जनित झगड़ों से ऊपर उठना जरूरी हो गया है, क्योंकि वर्तमान युद्ध और जलवायु परिवर्तन के खतरे भीषण विध्वंसकारक होते जा रहे हैं। भारतवर्ष में पर्यावरणीय आंदोलन 1980 के दशक से ही वैकल्पिक विकास नीति विशेषकर हिमालय क्षेत्रों के लिए बनाने की बात कर रहे हैं। चिपको आन्दोलन से लेकर हिमालय नीति अभियान, हिमालय क्षेत्र में पर्वत विशिष्ट परिशितिकीय दृष्टि से निरापद विकास नीति के लिए आवाज उठा रहे हैं। 1992 में योजना आयोग ने डा. एसजेड कासिम की अध्यक्षता में विशेषज्ञ समूह का गठन किया था, जिसने हिमालय में विकास के लिए कुछ दिशा निर्देश तय किए थे, जिनमें हिमालय में करणीय और नहीं करने योग्य गतिविधियों के सुझाव दिए गए थे। और इसके लिए व्यवस्थागत सुझाव भी दिए गए थे, किन्तु बात आगे नहीं बढ़ पाई। उसके बाद कितने ही नए अनुभव संचित हो चुके हैं जिन पर आधारित सावधानियां और दिशाएं तय की जा सकती हैं। हमें आशा करनी चाहिए कि जब जागे तभी सवेरा वाली कहावत पर विश्वास करते हुए।

वास्तु शास्त्र और लकड़ी का फर्श

घर में सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि बढ़ाने के सरल उपाय

वास्तु शास्त्र के सिद्धांतों के अनुसार घर में लकड़ी का फर्श लगाना अत्यंत शुभ और लाभदायक माना जाता है। लकड़ी एक प्राकृतिक सामग्री है जो पर्यावरण और पृथ्वी तत्व से सीधे जुड़ी होती है। यह घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है और वहां रहने वाले लोगों के मन को शांत तथा संतुलित बनाए रखने में मदद करती है। लकड़ी का फर्श घर के वातावरण में गर्माहट और शांति लाता है। यह परिवार के सदस्यों के बीच सामंजस्य बढ़ाने के साथ तनाव को कम करने में सहायक होता है। बेडरूम में लकड़ी का फर्श लगाने से नींद की गुणवत्ता में सुधार होता है और विचार शांत रहते हैं। वहीं लिविंग रूम में यह स्थान को अधिक आरामदायक और मेहमानों के लिए सुखद बनाता है। अध्ययन कक्ष या कार्यालय में लकड़ी का फर्श ध्यान केंद्रित करने और मानसिक स्थिरता बनाए रखने में मदद करता है।

सही चयन और वास्तु नियम- वास्तु के अनुसार प्राकृतिक लकड़ी या अच्छी गुणवत्ता वाली लकड़ी की टाइलों का उपयोग करना चाहिए। इसके लिए हल्के रंग जैसे कि शहद जैसा हल्का भूरा या क्रीम रंग सबसे उपयुक्त माने जाते हैं। बहुत गहरे रंगों का उपयोग करने से बचना चाहिए क्योंकि वे ऊर्जा को भारी बना सकते हैं। फर्श का डिज़ाइन हमेशा सरल और सीधा होना चाहिए। जिग ज़ैग या टूटी हुई रेखाओं वाले पैटर्न से बचना चाहिए ताकि ऊर्जा का प्रवाह सुचारू रूप से बना रहे। फर्श की फिनिशिंग के मामले में मैट या बनावट वाली सतह ज्यादा बेहतर होती है। अत्यधिक चमकदार सतहों से बचना चाहिए क्योंकि वे ऊर्जा के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा डाल सकती हैं। इसके अलावा फर्श पर किसी भी प्रकार की दरार नहीं होनी चाहिए और इसे नियमित रूप से साफ रखना आवश्यक है ताकि धूल और गंदगी सकारात्मक ऊर्जा को न रोक सके।

दिशा और स्थापना के सुझाव-पूर्व और उत्तर दिशा के कमरों के लिए हल्के रंगों की लकड़ी का चयन करना विकास और स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है। दक्षिण और पश्चिम दिशा के कमरों में मध्यम भूरे या गर्म रंगों की लकड़ी का उपयोग करना करियर और स्थिरता के लिए लाभकारी होता है। फर्श के तख्तों को उत्तर दक्षिण या पूर्व पश्चिम रेखाओं के साथ बिछाना चाहिए।

अमूल्य ज्ञान का बोध

✻ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

✻ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

✻ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

✻ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 1।.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

✻ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

✻ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

✻ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

✻ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

✻ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

✻ सोलह श्रृंगार

1.बिंदी, 2. सिंदूर, 3. काजल, 4. मेहन्दी, 5. चूड़ियाँ, 6. मंगल सूत्र, 7. नथ, 8. गजरा, 9. मांग टीका, 10. झुमके, 11. बाजूबंद, 12. कमरबंद, 13. बिछिया, 14. पायल, 15. अंगूठी, 16. स्नान

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने ली प्रत्याशियों व वार्ड प्रभारियों की संगठनात्मक बैठक

चौमूं (संस्कार सृजन) रेनवाल रोड स्थित रजवाड़ा गार्डन में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा की अध्यक्षता में चौमूं नगर परिषद चुनाव को लेकर एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा के घोषित प्रत्याशियों, वार्ड प्रभारियों, सह-प्रभारियों, संयोजकों एवं सह-संयोजकों ने भाग लिया।कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी घोषित उम्मीदवारों का वन-टू-वन परिचय करवाया गया। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि पार्टी ने प्रत्येक वार्ड के समीकरण, जातिगत आधार और विस्तृत सर्वे रिपोर्ट का गहराई से अध्ययन करने के पश्चात ही प्रत्याशियों का चयन किया है। उन्होंने कहा, वार्डों में भाजपा के कई योग्य कार्यकर्ताओं ने अपनी दावेदारी पेश की थी, लेकिन विस्तृत विचार-विमर्श के बाद आपकी उम्मीदवारी पर सहमति बनी है। ऐसे में पार्टी के विश्वास पर खरा उतरना सभी की साझा जिम्मेदारी है। रामलाल शर्मा ने सभी प्रत्याशियों का आह्वान किया कि वे बिना समय गंवाए अपने-अपने वार्डों में घर-घर जाकर प्रत्येक मतदाता से व्यक्तिगत संपर्क साधें और केंद्र व राज्य सरकार की नीतियों तथा जन कल्याणकारी कार्यों के आधार पर भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील करें। संबोधन के पश्चात रामलाल शर्मा ने वार्ड प्रभारियों, सह-प्रभारियों एवं संयोजकों से व्यक्तिगत (वन-टू-वन) चर्चा कर वार्डवार धरातलीय स्थिति का फीडबैक लिया। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि पार्टी से असंतुष्ट या बागी कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित कर उन्हें समझाएं और पार्टी के पक्ष में एकजुट करें। शर्मा ने स्पष्ट किया कि सभी प्रभारी व संयोजक 9 सितंबर तक प्रत्याशियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चुनावी गतिविधियों की पूरी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। बैठक के अंत में सभी प्रत्याशियों ने शीर्ष नेतृत्व एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए एकजुट होकर चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज कराने का संकल्प लिया।

विराज फाउंडेशन की देव दर्शन यात्रा श्रद्धा एवं भक्ति के साथ हुई संपन्न

जयपुर (संस्कार सृजन) विराज फाउंडेशन द्वारा आयोजित देव दर्शन यात्रा प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी के नेतृत्व में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ संपन्न हुई। यात्रा में फाउंडेशन के पदाधिकारी एवं सदस्य उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

यात्रा के दौरान सभी पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं ने गोविंद देव जी, गोपीनाथ जी, खोल के हनुमान जी, गोनेर स्थित जगदीश जी, करौली के मदन मोहन जी एवं कैला देवी माता के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर फाउंडेशन पदाधिकारियों ने कहा कि देव दर्शन यात्रा हमारी सनातन संस्कृति, धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता को मजबूत करने का माध्यम है। ऐसे आयोजनों से समाज में संस्कार, सद्भाव और भाईचारे की भावना को बढ़ावा मिलता है। देव दर्शन यात्रा में विराज फाउंडेशन के संरक्षक गोपाल शर्मा, महासचिव बनवारी लाल शर्मा, डॉ. सी.एम. सैनी, ओमप्रकाश रीडर, अशोक रेवड़का, डॉ. एम.के. अग्रवाल, नरेंद्र सिंह सोलंकी, रामलाल शेरावत, नारायण लाल शर्मा, मनोज शर्मा, डॉ. सीताराम कुमावत एवं महेंद्र घठाला, योगेश शर्मा सहित फाउंडेशन के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष – यह पखवाड़ा आपके लिए उत्साह और ऊर्जा से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके नेतृत्व कौशल की सराहना होगी। यदि आप नया निवेश करने की सोच रहे हैं, तो यह समय अनुकूल है, हालांकि वित्तीय मामलों में थोड़ी सावधानी बरतना जरूरी है। पारिवारिक जीवन में सामंजस्य बना रहेगा। अपने खान-पान का विशेष ध्यान रखें।

वृषभ – आर्थिक दृष्टि से यह पखवाड़ा आपके लिए बेहद लाभदायक साबित हो सकता है। रुका हुआ धन मिलने की पूरी संभावना है। व्यापार से जुड़े लोगों को बड़ा मुनाफा हो सकता है। दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी के साथ किसी छोटी यात्रा पर जाने का योग बन सकता है। पेट से जुड़ी समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

मिथुन – यह समय आपके लिए संवाद और नेटवर्किंग के लिहाज से बेहतरीन है। आपकी वाणी का प्रभाव लोगों पर पड़ेगा। विद्यार्थियों के लिए यह अवधि अत्यंत फलदायी है। नौकरीपेशा जातकों को कार्यस्थल पर सहकर्मियों का पूरा साथ मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन मानसिक तनाव से बचने के लिए योग और ध्यान का सहारा लें।

कर्क – इस पखवाड़े आपको अपने भावनाओं पर थोड़ा नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में कुछ छिपे हुए विरोधी आपकी छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। पारिवारिक मामलों में किसी पुराने मुद्दे को लेकर विवाद हो सकता है। आर्थिक मामलों में बड़े खर्च सामने आ सकते हैं। सेहत के लिहाज से सीने या सर्दी-जुकाम से जुड़ी हल्की परेशानी हो सकती है।

सिंह – आत्मविश्वास में वृद्धि के साथ यह पखवाड़ा आपके पक्ष में रहेगा। समाज में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन या वेतन वृद्धि की खुशखबरी मिल सकती है। व्यापार में विस्तार के नए रास्ते खुलेंगे। प्रेम जीवन में चल रही गलतफहमियां दूर होंगी और रिश्ते में मजबूती आएगी। स्वास्थ्य आपका उत्तम रहेगा, ऊर्जा का स्तर ऊंचा बना रहेगा।

कन्या – यह पखवाड़ा आपके लिए आत्ममंथन और योजना बनाने का है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी, लेकिन परिणाम मिलने में थोड़ी देरी हो सकती है। विदेश यात्रा या विदेशी संपर्कों से लाभ होने की संभावना है। खर्चों पर लगाम कसने की जरूरत है। परिवार के किसी बुजुर्ग सदस्य की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है, उनका विशेष ध्यान रखें।

तुला – यह अवधि आपके लिए लाभ और खुशियों का पिटारा लेकर आई है। साझेदारी के बिजनेस में बड़ा फायदा हो सकता है। कला, मीडिया या ग्लैमर के क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई बड़ी उपलब्धि हासिल हो सकती है। दोस्तों और परिजनों के साथ खुशनुमा पल बिताएंगे। जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। सेहत के मामले में यह पखवाड़ा पूरी तरह आपके अनुकूल रहेगा।

वृश्चिक – करियर के लिहाज से यह पखवाड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण है। आपके कन्धों पर जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है। नौकरी बदलने का विचार कर रहे हैं तो अभी थोड़ा इंतजार करना बेहतर होगा। पारिवारिक जीवन में किसी बात को लेकर मतभेद उभर सकते हैं, इसलिए अपनी वाणी पर संयम रखें। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें, चोट लगने की आशंका है।

धनु – भाग्य का पूरा साथ आपको इस पखवाड़े मिलने वाला है। लंबे समय से अटके हुए सरकारी काम या कानूनी मामले आपके पक्ष में हल हो सकते हैं। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। प्रेम संबंधों के लिए यह समय बहुत रोमांटिक रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य और ऊर्जावान बना रहेगा।

मकर – यह पखवाड़ा आपके लिए थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है, इसलिए हर कदम फूंक-फूंक कर रखें। कार्यक्षेत्र में अचानक से काम का दबाव बढ़ सकता है। किसी को भी उधार देने से बचें, अन्यथा पैसा फंस सकता है। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई विवाद चल रहा है तो वह बातचीत के जरिए सुलझ सकता है। जीवनसाथी की सेहत का विशेष ध्यान रखें। खान-पान में

संयम बरतें।

कुंभ – यह पखवाड़ा आपके लिए उन्नति और नए अवसरों का द्वार खोलेगा। व्यापार में नए समझौते हो सकते हैं जो भविष्य में बड़ा लाभ देंगे। सहकर्मियों के साथ मिलकर काम करने से कठिन कार्य भी आसानी से पूरे हो जाएंगे। वैवाहिक जीवन में खुशहाली आएगी और यदि आप अविवाहित हैं तो विवाह के प्रस्ताव आ सकते हैं। मित्रों के सहयोग से कोई बड़ा आर्थिक लाभ संभव है। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

मीन – इस पखवाड़े आपको अपने विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत है। कार्यस्थल पर किसी से भी बहस में पड़ने से बचें। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी है। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाने का योग बन सकता है। सेहत को लेकर लापरवाही भारी पड़ सकती है, खासकर जोड़ों का दर्द या पेट से जुड़ी कोई पुरानी समस्या उभर सकती है।

(कहानी) एक दूजे का साथ

एक छोटे से शहर में राघव और मीरा नाम का एक साधारण दम्पति रहता था। दोनों की शादी को कुछ ही साल हुए थे, लेकिन जीवन की जिम्मेदारियों और तंगहाली ने उनकी मुस्कान को धीरे-धीरेफीका कर दिया था। राघव एक छोटी सी निजी कंपनी में क्लर्क था, जहाँ उसकी तनख्वाह इतनी कम थी कि महीने के आखिरी हफ्तों में घर चलाना मुश्किल हो जाता था।

मीरा गृहिणी होने के साथ-साथ एक बेहतरीन कलाकार थी, वह कपड़ों पर खूबसूरत हाथ की कढ़ाई करती थी।

शुरुआत में दोनों छोटी-छोटी बातों पर उलझ जाते थे। राघव की झुंझलाहट का कारण उसकी आर्थिक बेबसी थी और मीरा की खीझ का कारण घर की अंतहीन तंगी। एक शाम जब हालात कुछ ज्यादा ही बिगड़ गए और खाने की थाली में केवल सूखी रोटियां थीं, तो घर में गहरी खामोशियां छा गईं। उस रात मीरा ने तय किया कि यूं घुट-घुट कर जीने से बेहतर है कि इस अंधेरे को चुनौती दी जाए।

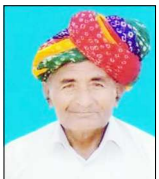

प्रभाती लाल सैनी

अगली सुबह, मीरा ने अपने पुराने सिलाई बॉक्स को निकाला और अपने हुनर को एक नया आकार देने की ठानी। उसने राघव से कहा, हम अपनी किस्मत का रोना कब तक रोएंगे? क्यों न हम मिलकर कुछ ऐसा करें जो हमारी तकदीर बदल दे। मीरा ने डिजाइनर कुर्तियों और सूटों पर पारंपरिक कढ़ाई करना शुरू किया और अपने कुछ स्थानीय जानकारों को वे नमूने दिखाए। उसकी कला में इतनी नफासत और जादू था कि देखते ही देखते लोगों ने उसकी तारीफ करना शुरू कर दिया और छोटे-छोटे ऑर्डर मिलने लगे।

शुरुआत में राघव को अपनी पत्नी की इस पहल पर थोड़ा संकोच हुआ, क्योंकि उसे लगता था कि घर की आर्थिक जिम्मेदारी अकेले उसकी है। लेकिन जब उसने मीरा की लगन, आँखों में चमक और रात-रातभर जागकर मेहनत करने की जिद देखी, तो उसका सारा अहंकार पिघल गया। राघव ने दफ्तर से लौटने के बाद मीरा का हाथ बंटाना शुरू कर दिया। वह सूत और कपड़ा लाने से लेकर बने हुए सामान को ग्राहकों तक पहुंचाने का जिम्मा खुद उठाने लगा।अब वे दोनों पति-पत्नी नहीं, बल्कि एक बेहतरीन बिजनेस पार्टनर बन चुके थे। दिनभर की थकान के बाद भी रात को जब वे बैठते, तो अगली सुबह के सपनों पर चर्चा करते। उनके बीच की वो दूरियां और खीझ गायब हो चुकी थी, जिनकी जगह अब एक अटूट विश्वास और सम्मान ने ले ली थी। धीरे-धीरे उनकी मेहनत रंग लाई। मीरा की कढ़ाई वाले कपड़ों की मांग शहर से बाहर के बुटीक तक पहुँचने लगी। उन्होंने 'राधा-मीरा क्रिएशन्स' के नाम से अपना छोटा सा काम शुरू कर दिया।

पाँच साल बीत चुके थे। आज वे उसी छोटे शहर के एक प्रतिष्ठित और आत्मनिर्भर परिवार के रूप में जाने जाते थे। उनके पास न केवल सुख-सुविधाएं थीं, बल्कि एक-दूसरे के प्रति वो बेपनाह इज्जत भी थी जो मुश्किल वक्त की भट्टी में तपकर और मजबूत हुई थी।

यह कहानी हमें सिखाती है कि जीवन की गाड़ी अकेले खींचने से नहीं चलती। जब पति और पत्नी एक-दूसरे के आलोचक बनने के बजाय एक-दूसरे की ताकत बन जाते हैं, तो कितनी भी बड़ी आंधी क्यों न आए, घर का दिया कभी नहीं बुझता। सच्ची प्रेरणा किसी बाहर से नहीं, बल्कि एक-दूसरे के साथ से ही जन्म लेती है।

सर्व ब्राह्मण महासभा ने प्रकृति संवर्धन की शपथ के साथ प्रतिभाओं का किया सम्मान

जयपुर (संस्कार सृजन)

सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर देहात के तत्वावधान में श्री वीर तेजाजी मंदिर प्रांगण स्टेशन रोड चौमूं में सर्व ब्राह्मण समाज संगठन महामंत्री गजानंद शर्मा की संयुक्त अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष एक पेड़ लगाकर उसका पालन पोषण करने, नशे से दूर रहने, सोशल मीडिया का सदुपयोग करने, प्रतिदिन माता-पिता के चरण स्पर्श करने तथा प्रतिदिन मंदिर जाने के संकल्प के साथ समाज के मंच से 735 प्रतिभाओं का साफा,महासभा का दुपट्टा पहनाकर, प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, एक पेड़ एवं बोर्ड के टॉपर्स को ट्रॉली बैग भेंट कर अभिनंदन किया गया।

राजस्थान प्रशासनिक सेवा अधिकारी अंजू शर्मा, योग में स्वर्ण पदक विजेता देवांशी शर्मा सहित बोर्ड कक्षा के टॉपर विद्यार्थियों ने अपनी सफलता की कहानी अन्य विद्यार्थियों से साझा की। पंडित सुरेश मिश्रा ने प्रतिभाओं को राष्ट्र का भविष्य बताते हुए समय-समय पर ऐसे आयोजन को अनिवार्य बताया।

जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा ने महासभा की अब तक की गतिविधियां मंच से प्रस्तुत करते हुए भविष्य की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम संयोजक टिंकू शर्मा एवं प्रभारी विशाल शर्मा ने बताया की समारोह में हरियाणा ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरदी चंद शर्मा, महासभा के राष्ट्रीय संगठन सचिव कन्हैयालाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष पंडित दिनेश शर्मा, समाजसेवी वासुदेव शर्मा, खांडल समाज के प्रदेश अध्यक्ष अनिल शर्मा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद मिश्रा, आमेर तहसील अध्यक्ष सीताराम शर्मा सहित कई अतिथियों ने समाज की प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन किया। संगठन महामंत्री गजानंद शर्मा एवं संयोजक मुकेश शर्मा ने बताया कि विप्र गौरव अलंकरण में भंवर शर्मा, मोहन शर्मा, सुदर्शन शर्मा, डॉ. एमएल शर्मा, डॉक्टर सीताराम काछवाल सहित अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य से समाज का नाम रोशन करने वाली 31 प्रतिभाओं का सार्वजनिक अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर बजरंग लाल शर्मा, सोहनलाल पारीक, मुकेश मेहता ,राजेश मिश्रा, उषा शर्मा ,पूजा शर्मा, अर्जुन शर्मा, कैलाश शर्मा, मनीष शर्मा ,सोनू शर्मा, दीपिका पारीक, अनीता शर्मा, संतोष शर्मा ,मुकेश शर्मा, मुकेश मेहता, सीमा पारीक, शायर शर्मा, निशा पारीक ,कविता शर्मा ,अनीता शर्मा, गुड्डी शर्मा, दीपक शर्मा, मीनू शर्मा, मंजू पारीक सहित महासभा के पदाधिकारी उपस्थित रहे। मंच संचालन मंजीता शर्मा एवं मास्टर श्याम शर्मा ने किया।

राष्ट्रीय संत तरुण सागर महाराज की पुण्यतिथि पर शिल्पकार चित्तौड़ा ने बनाई लघु कृति

उदयपुर (संस्कार सृजन) राष्ट्रीय संत दिवंगत तरुण सागर महाराज की 8वीं पुण्यतिथि पर शहर के ख्यातनाम शिल्पकार डॉ.चन्द्रप्रकाश चित्तौड़ा ने एक लघु पुस्तिका एवं 51 फीट लंबा पत्रक बनाकर उनकी स्मृतियों को संजोया है।

चित्तौड़ा के अनुसार दिवंगत तरुण सागर महाराज ने 13 साल की उम्र में 8 मार्च 1981 को उन्होंने घर छोड़ा और 20 साल की उम्र में 20 जुलाई 1988 को राजस्थान के बागीदौरा में दिगंबर मुनि दीक्षा ली। कड़वे प्रवचन के लिए प्रसिद्ध, उन्होंने कई पुस्तकें लिखीं और जैन धर्म से जुड़ी जानकारी को सरल तरीके से लोगों तक पहुँचाने के लिए टीवी पर भी कार्यक्रम किए। उन्होंने अपनी वाणी एवं उपदेशों से हर वर्ग को प्रभावित किया है।

चित्तौड़ा ने अपनी इस कृति में संत तरुण सागर महाराज के जीवन परिचय, विभिन्न उपलब्धियों, उनके संस्मरण, पुस्तकें एवं जुड़े विभिन्न पहलुओं का सुंदर चित्रण व संग्रहण किया है।

एनएसएस के एक दिवसीय शिविर में गूंजा स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जयपुर (संस्कार सृजन)

सेठ आरएल सहरिया राजकीय पीजी महाविद्यालय, कालाडेरा में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की तीनों इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में प्रथम एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्वयंसेवकों ने पौधारोपण, स्वच्छता, प्लास्टिक उन्मूलन एवं जनजागरूकता जैसी गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया।

शिविर के तहत आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफ़ेसर जय भारत सिंह ने अपनी महती सहभागिता प्रदान की। उनके साथ प्रो. सुमन भाटिया, डॉ. बी.सी. जाट, डॉ. सुरेश जाट एवं डॉ. रेखा बिश्नोई ने पौधारोपण कर स्वयंसेवकों को पर्यावरण संरक्षण तथा पौधों के संरक्षण

और संवर्धन के लिए प्रेरित किया। मौके पर प्राचार्य सिंह ने कहा कि पौधारोपण केवल एक गतिविधि नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। इसके बाद स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। विद्यार्थियों ने परिसर से प्लास्टिक कचरा एकत्र कर प्लास्टिक के बढ़ते दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। स्वयंसेवकों ने स्वप्रेरणा से भूगोल विभाग में स्थित भारत के भौतिक मानचित्र की भी सफाई की और परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखने का संकल्प लिया।

शिविर के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय के गोद लिए गए ग्राम तथा परिसर के समीप स्थित सरस्वती मंदिर तक स्वच्छता एवं जनजागरूकता रैली निकाली। रैली में स्वयंसेवकों ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक उन्मूलन से जुड़े संदेशों के माध्यम से आमजन को जागरूक किया।

शिविर के दूसरे व समापन सत्र में डॉ. जितेन्द्र लोढ़ा ने स्वयंसेवकों को प्रेरणादायी व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि एनएसएस का उद्देश्य केवल सेवा गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी, संवेदनशीलता और सकारात्मक नेतृत्व की भावना विकसित करना भी है। उन्होंने स्वयंसेवकों से पर्यावरण संरक्षण को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा समाज में सकारात्मक बदलाव के वाहक बनने का आह्वान किया। शिविर का संयोजन व सफल संचालन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र मीणा, डॉ. शिखा पाटनी एवं डॉ. राजेन्द्र गोलाडा के संयुक्त समन्वय से किया गया।

पंडित रविन्द्राचार्य ने की प्रमुख शासन सचिव नवीन जैन से शिष्टाचार भेंट

जयपुर (संस्कार सृजन) तारा ज्योतिष साधना केंद्र के अध्यक्ष और अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य ने राजधानी जयपुर के गांधी पथ पर प्रमुख शासन सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग (आई.ए.एस.) नवीन जैन से शिष्टाचार मुलाकात की। सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई। इस बैठक के दौरान विभिन्न समसामयिक विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। मुलाकात के दौरान पंडित रविन्द्राचार्य ने नवीन जैन के कुशल कार्यशैली की सराहना करते हुए उन्हें अपना आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं प्रदान कीं। इस अवसर पर श्याम सिंह शेखावत, अनिल जैन सहित क्षेत्र के अन्य गणमान्य नागरिक भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

तांडव 2 में अभिनेता महेन्द्र कुमावत की अदाकारी देखने उमड़े दर्शक

जयपुर (संस्कार सृजन) राजस्थानी सिनेमा में ग्रुप रिलीज़ की पहली फिल्म तांडव -2 राजमंदिर सिनेमा में रिलीज़ हुई । फिल्म के कलाकार महेन्द्र कुमावत की अदाकारी को देखने के लिए दूर -दूर से लोग आए ।

जानकारी के अनुसार स्वामी विवेकानंद पुनर्वास संस्थान नीमकाथाना के दिव्यांग बच्चे, संस्थान के प्रबंधक गुलशन कुमार शर्मा, शिखा शर्मा समस्त स्टाफ सहित मुंबई से पत्रकार रतन कुमावत, सुरेश सैनी, सुनील इंदौरिया, बालाराम सैनी, शुभम मावड़िया, अनिल जागिड़, काना भार्गव पधारे ।

वहीं दमन गुजरात से राजू तंवर परिवार सहित आए । राजू चाय वाले अपने पूरे परिवार और दोस्तों के साथ फिल्म देखने आए ।उन्होंने अभिनेता महेन्द्र कुमावत और फिल्म के डायरेक्टर लखविंदर सिंह को मान सम्मान दिया । सभी ने फिल्म की भूरी - भूरी प्रशंसा की ।

अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ संगीत कलाकार सम्मान समारोह 14 सितंबर को

101 वरिष्ठ कलाकारों को विशिष्ट साधना और योगदान के लिए मिलेगा सम्मान

जयपुर (संस्कार सृजन)

हिंदी दिवस पर वरिष्ठ संगीत और नृत्य साधकों को समर्पित अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ संगीत कलाकार सम्मान समारोह-2026 साइंस पार्क ऑडिटोरियम, शास्त्री नगर में 14 सितंबर को आयोजित होगा। समारोह का आयोजन स्व. डॉ. मीरा पाटोदिया की 75वीं जन्म जयंती पर कला मर्मज्ञ आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया के संयोजन में होगा।

समारोह में संगीत और नृत्य के क्षेत्र में जीवनभर साधना करने वाले 101 कलाकारों को 101 अलग-अलग उपाधियों और विशिष्ट प्रशस्ति-विवरण के साथ सम्मानित किया जाएगा। प्रत्येक सम्मान पत्र संबंधित कलाकार की साधना, योगदान और

व्यक्तित्व को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है । जिससे हर सम्मान अपनी विशिष्ट पहचान रखेगा। प्रतिष्ठित गुरु से लेकर मौन साधकों तक 3 श्रेणियां होगी। समारोह में औपचारिकताओं के बजाय कलाकार को गरिमापूर्ण ढंग से केवल सम्मान पत्र प्रदान किया जाएगा।

समारोह की एक विशेष पहल समयबद्ध सम्मान की हो वरिष्ठ कलाकारों को लंबे समय सभागार में बैठाने के बजाय उन्हें निर्धारित समय में सम्मानित किया जाएगा। आयोजक सत्यनारायण पाटोदिया के अनुसार यह समारोह केवल सम्मान प्रदान करने का अवसर नहीं बल्कि वरिष्ठ साधकों को सम्मान के साथ समाज में पहचान देने का प्रयास है ,जिन्होंने बिना प्रसिद्धि और आकांक्षा के संगीत और नृत्य को अपना जीवन समर्पित कर दिया है ।

वीर चंद्र सिंह गढ़वाली शिक्षक सम्मान 2026 से नवाजे गए वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी

देहरादून (संस्कार सृजन) शिक्षक दिवस पर वीर चंद्र सिंह गढ़वाली उत्थान सेवा समिति द्वारा नगर निगम प्रेक्षागृह कोटद्वार में वीर चंद्र सिंह गढ़वाली शिक्षक सम्मान 2026 का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों का सम्मान किया गया।

शिक्षा के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए पीएम श्री राजकीय इण्टर कॉलेज आईडीपीएल वीरभद्र ऋषिकेश में कार्यरत वृक्षमित्र के नाम से मशहूर डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी को वीर चंद्र सिंह गढ़वाली शिक्षक सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी भाजपा व गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूड़ी, महापौर शैलेन्द्र सिंह रावत, अध्यक्ष वीर चंद्र सिंह गढ़वाली उत्थान सेवा समिति शैलेन्द्र सिंह बिष्ट गढ़वाली, जिलाध्यक्ष ऐश्वर्य राज गौरव नौटियाल ने स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र, सम्मानित पत्र व शॉल ओढ़कर डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी को सम्मानित किया।

जानकारी के किए आपको बता दें कि डॉ. सोनी जहां एक शिक्षक की भूमिका निभाते है वहीं प्रकृति पुत्र बनकर पर्यावरण संरक्षण, संवर्द्धन, पौधारोपण के क्षेत्र में प्रशंसीय कार्य करते हैं। डॉ. को सम्मानित होने पर सांसद अनिल बलूनी, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूड़ी, समिति के अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह बिष्ट व महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने बधाई व शुभकामनाएं दी। डॉ. सोनी ने आयोजक समिति व अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए सभी अतिथियों को एक एक तुलसी का पौधा उपहार में भेंट किया। कार्यक्रम में गिरीश चंद्र कोठियाल, डॉ रश्मि बहुखंडी एवं अन्य थे।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित।

उपसंपादक- रजनीश सैनी